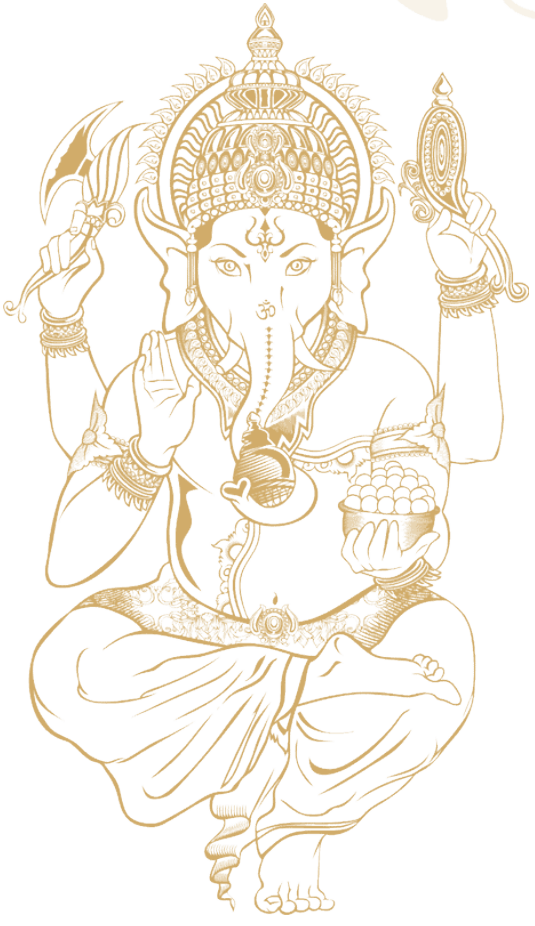

Rahit sahu

30 Nov 1993

10:00 PM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121812002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/11/1993**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**22:00:00 घंटे**
इष्ट	38:09:56 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:44:16 घंटे
वेलान्तर	00:11:22 घंटे
साम्पातिक काल	02:22:28 घंटे
सूर्योदय	06:44:01 घंटे
सूर्यास्त	17:24:46 घंटे
दिनमान	10:40:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	14:42:47 वृश्चिक
लग्न के अंश	17:54:04 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	साध्य
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	का-कमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	17:54:04	313:15:21	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	14:42:47	01:00:47	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	01:02:06	12:41:09	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	वृश्चि	21:49:11	00:44:11	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	स्वराशि
बुध			तुला	26:57:44	01:24:04	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			तुला	10:24:39	00:11:51	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	03:19:23	01:15:24	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
शनि			कुंभ	00:48:44	00:03:21	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	09:16:18	00:00:25	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	09:16:18	00:00:25	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	26:06:28	00:02:52	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
नेप			धनु	25:36:03	00:01:49	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	02:10:00	00:02:22	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मेष	14:12:43	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:34

लग्न-चलित

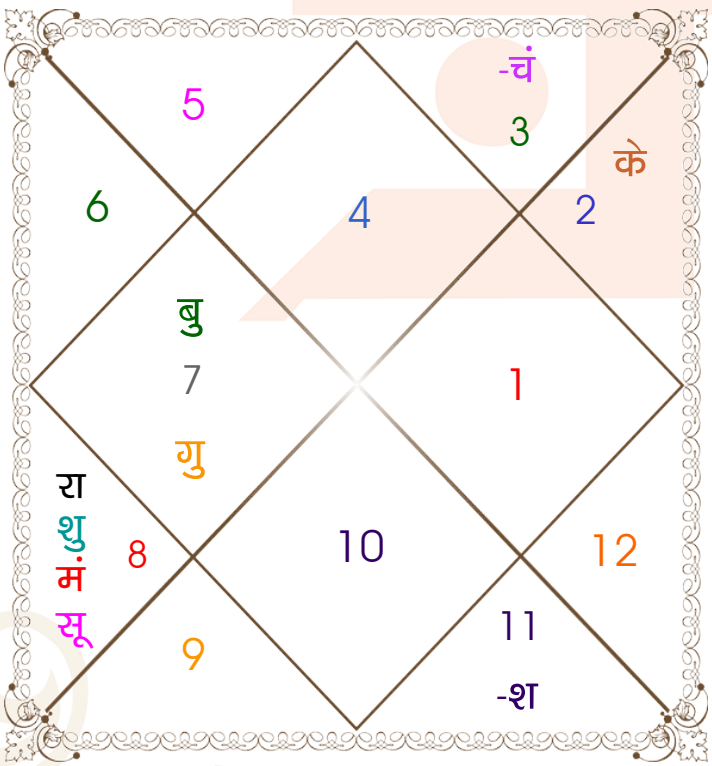

चन्द्र कुंडली

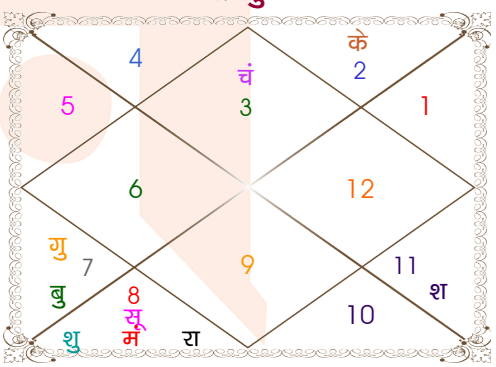

नवमांश कुंडली

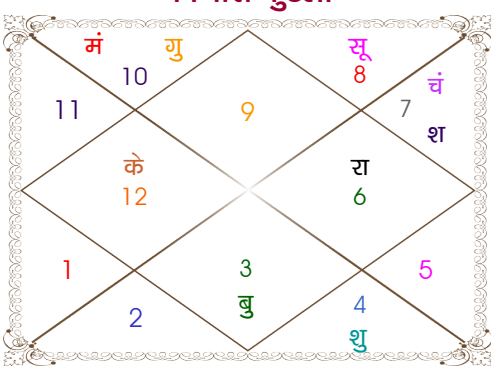

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 11 मास 14 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
30/11/1993		14/11/1996		15/11/2014		15/11/2030		15/11/2049	
14/11/1996		15/11/2014		15/11/2030		15/11/2049		15/11/2066	
	00/00/0000	राहु	28/07/1999	गुरु	02/01/2017	शनि	18/11/2033	बुध	12/04/2052
	00/00/0000	गुरु	21/12/2001	शनि	16/07/2019	बुध	28/07/2036	केतु	09/04/2053
	00/00/0000	शनि	27/10/2004	बुध	21/10/2021	केतु	06/09/2037	शुक्र	08/02/2056
	30/11/1993	बुध	16/05/2007	केतु	27/09/2022	शुक्र	05/11/2040	सूर्य	15/12/2056
बुध	13/05/1994	केतु	03/06/2008	शुक्र	28/05/2025	सूर्य	18/10/2041	चंद्र	16/05/2058
केतु	09/10/1994	शुक्र	04/06/2011	सूर्य	16/03/2026	चंद्र	19/05/2043	मंगल	13/05/2059
शुक्र	09/12/1995	सूर्य	27/04/2012	चंद्र	16/07/2027	मंगल	27/06/2044	राहु	30/11/2061
सूर्य	15/04/1996	चंद्र	27/10/2013	मंगल	21/06/2028	राहु	04/05/2047	गुरु	07/03/2064
चंद्र	14/11/1996	मंगल	15/11/2014	राहु	15/11/2030	गुरु	15/11/2049	शनि	15/11/2066

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/11/2066		15/11/2073		15/11/2093		15/11/2099		16/11/2109	
15/11/2073		15/11/2093		15/11/2099		16/11/2109		00/00/0000	
केतु	13/04/2067	शुक्र	16/03/2077	सूर्य	04/03/2094	चंद्र	15/09/2100	मंगल	14/04/2110
शुक्र	12/06/2068	सूर्य	16/03/2078	चंद्र	03/09/2094	मंगल	16/04/2101	राहु	02/05/2111
सूर्य	18/10/2068	चंद्र	15/11/2079	मंगल	09/01/2095	राहु	16/10/2102	गुरु	07/04/2112
चंद्र	19/05/2069	मंगल	14/01/2081	राहु	03/12/2095	गुरु	15/02/2104	शनि	17/05/2113
मंगल	15/10/2069	राहु	15/01/2084	गुरु	21/09/2096	शनि	16/09/2105	बुध	01/12/2113
राहु	03/11/2070	गुरु	15/09/2086	शनि	03/09/2097	बुध	15/02/2107		00/00/0000
गुरु	10/10/2071	शनि	15/11/2089	बुध	10/07/2098	केतु	16/09/2107		00/00/0000
शनि	17/11/2072	बुध	14/09/2092	केतु	15/11/2098	शुक्र	17/05/2109		00/00/0000
बुध	15/11/2073	केतु	15/11/2093	शुक्र	15/11/2099	सूर्य	16/11/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 11 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगे।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगे। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकते हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगे।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करते हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाते हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहते परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें। आपको मध्यपान की प्रवृति अर्थात् आदतों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकते हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल

है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकते हैं। आप गले के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकते है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।